ISSN: 2454-9940

INTERNATIONAL JOURNAL OF APPLIED SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

E-Mail :
editor.ijasem@gmail.com
editor@ijasem.org

www.ijasem.org

INTERNATIONAL JOURNAL OF APPLIED SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

तेलंगाना राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने पर एक अध्ययन

श्रीमती। प्रवीणा.ए., एम.ए.हिन्दी.,*1, श्रीमती। माधवी लता.बी., एम.ए.हिन्दी., * 2
श्रीमती। चित्तकला. बी., एम.ए.संस्कृत., *3

संक्षेप:

पर्यटन क्षेत्र में राष्ट्रीय विरासत, स्थानीय संस्कृति, शिल्प, वस्त्रों के संरक्षण, निर्माण और रखरखाव के लिए राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता है। तेलंगाना राज्य का एक विस्तृत इतिहास है, जो पूर्ववर्ती नियमों द्वारा प्रस्तुत किया गया है और इसमें वास्तुकला, जंगलों, स्मारकों, विरासत भवनों, संग्रहालयों और अन्य आकर्षक स्थानों की एक समृद्ध टेपेस्ट्री है। तेलंगाना राज्य तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम (TSTDC) का गठन कंपनी अधिनियम 2013 के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों को अच्छी तरह से बुनियादी ढाँचा, परिवहन और अन्य सुविधाएँ प्रदान करना है। यह पेपर इस राज्य में विदेशी और घरेलू पर्यटकों के आगमन की वृद्धि संख्या प्रस्तुत करता है और तेलंगाना राज्य द्वारा शुरू की गई विभिन्न प्रचार योजना प्रस्तुत करता है।

मुख्य शब्द: पर्यटक आगमन, संवर्धन और पर्यटन विकास

परिचय:

पर्यटन क्षेत्र विश्व का सबसे बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। यह क्षेत्र किसी भी देश के आर्थिक, सांस्कृतिक और ढांचागत विकास में शामिल होता है और साथ ही यह विभिन्न समूहों के लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी प्रदान करता है। यह क्षेत्र समाज के युवाओं, महिलाओं और अशिक्षित आबादी को सशक्त बना रहा है। यह क्षेत्र विभिन्न उद्योगों जैसे परिवहन, होटल, पेय पदार्थ, खुदरा और खरीदारी, संस्कृति, खेल और मनोरंजन की सभी धाराओं का संयोजन भी है।

लोग। पर्यटन क्षेत्र किसी भी देश के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कारक है। यह सेक्टर पैसा लाता हैरोजगार के अवसर पैदा करके, बुनियादी सुविधाओं में सुधार के माध्यम से क्षेत्र में विकास लाता है और यह विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख स्रोत है।

तेलंगाना राज्य में, विभिन्न पर्यटन आकर्षण उपलब्ध हैं जो अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन आकर्षणों में प्राकृतिक, जल, किले, तीर्थयात्रा, हस्तशिल्प, त्योहार, वन्य जीवन आदि शामिल हैं। इनमें जलप्रपात, नदी के सामने और झील के सामने, हस्तशिल्प और हथकरघा, प्राचीन सभ्यता के अवशेष, संस्कृति और जातीय पर्यटन जैसे विभिन्न प्रकार के पर्यटन शामिल हैं। , विरासत स्थल, राम नवमी जैसे जीवंत त्यौहार, जनजातीय त्यौहार, बोनालु, बटुकम्मा, आध्यात्मिक / तीर्थ पर्यटन, फिल्म शहर आई-मैक्स थीम पार्क, ध्वनि और प्रकाश शो, साहसिक खेल, वन्य जीवन अभयारण्य, प्राणी उद्यान और प्रोजेक्ट टाइगर पार्क.

*1. हिन्दी के व्याख्याता, सिवा सिवानी डिग्री कॉलेज, कोम्मेपल्ली, सिकंदराबाद-100.
*2. हिन्दी के व्याख्याता, सिवा सिवानी डिग्री कॉलेज, कोम्मेपल्ली, सिकंदराबाद-100.
*3. संस्कृत के व्याख्याता, सिवा सिवानी डिग्री कॉलेज, कोम्मेपल्ली, सिकंदराबाद-100.

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

इस राज्य में विविधता है और यहां कई समृद्ध विरासत वाले स्थान और स्मारक हैं, जिन्हें सबसे प्रसिद्ध स्थानों की तरह देखा जा सकता है, जो हैदराबाद, चारमीनार, गोलकुंडा किला कुतुब शाही मकबरे, फलकनुमा पैलेस, स्लर्गजंग संग्रहालय और हुसैन सागर झील में बुद्ध प्रतिमा में स्थित हैं। हैदराबाद के अलावा भोंगीर किला, पैगाह मकबरे, नागुनूर किला, चौमहल्ला प्लेस, वारंगल किला और काकतीय कला थोरानम जैसे कई घूमने लायक स्थान हैं।

अध्ययन की आवश्यकता:

तेलंगाना राज्य का एक विस्तृत इतिहास है, जो पूर्ववर्ती नियमों द्वारा प्रस्तुत किया गया है और इसमें वास्तुकला, जंगलों, स्मारकों, विरासत भवनों, संग्रहालयों और अन्य आकर्षक स्थानों की एक समृद्ध टेपेस्ट्री है। यह प्राचीन अवशेषों पर निर्मित राज्य है और यह शिल्प, कला और विश्व प्रसिद्ध है और पुरानी परंपराओं और समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम (TSTDC) ने विभिन्न प्रचार योजनाएं शुरू कीं जो पर्यटकों में जागरूकता पैदा कर रही हैं। यहां, तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या का अध्ययन करने और तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास में विभिन्न प्रचार योजनाओं की भूमिका का विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

अध्ययन का उद्देश्य:

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- तेलंगाना राज्य के प्रमुख पर्यटक आकर्षण का अध्ययन करने के लिए,
- राज्य में पर्यटकों के आगमन की संख्या में वृद्धि का विश्लेषण करना
- तेलंगाना राज्य द्वारा शुरू की गई प्रचार योजनाओं की भूमिका का मूल्यांकन करना।

अनुसंधान क्रियाविधि:

यह अध्ययन तेलंगाना राज्य में पर्यटन तक ही सीमित है। राज्य में विदेशी और घरेलू आगमन की संख्या में वृद्धि का विश्लेषण करने के लिए और इस अध्ययन में तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न प्रचारात्मक शर्मिंदगी की भूमिका को भी शामिल किया गया है।

अध्ययन द्वितीयक डेटा पर आधारित है जो वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिकाओं, शोध लेखों आदि जैसी प्रकाशित सामग्रियों से इकट्ठा किया जाता है। अध्ययन को प्रस्तुत करने के लिए वर्णनात्मक शोध डिजाइन का उपयोग किया जाता है। तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन की अवधि चौदह वर्ष (अर्थात वित्तीय वर्ष 2005 से 2018 तक) है।

तेलंगाना राज्य के प्रमुख पर्यटक आकर्षण:

राज्य में बहुत प्रसिद्ध हिंदू और मुस्लिम आध्यात्मिक स्थान हैं जो तीर्थयात्रा पर्यटन के लिए जिम्मेदार हैं जैसे कि जगन्नाथ मंदिर, बालकम्पेट येल्लम्मा, बिड़ला मंदिर, स्वयंभू श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी क्षेत्रम, भद्राचलम राम मंदिर, मन्यमकोंडा का श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर, रामालयम डिचपल्ली, हजार स्तंभ मंदिर वारंगल, सेंट मैरी चर्च, मीडक चर्च, मक्का मस्जिद, जैन मंदिर और अन्य।

राज्य में कई त्योहार मनाए जाते हैं जो बहुत अलग और प्रसिद्ध हैं जैसे बथुकम्मा, बोनालु, दशहरा, सम्मक्का सारक्का जथारा, दिवाली, उगादि, होली, अक्षय तृतीया, ईद और रमज़ान आदि।

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

इस राज्य में विभिन्न प्राकृतिक पर्यटक आकर्षण भी हैं जैसे कुंतला, बोगाटा, सवतुला गुंडम झरने, नागार्जुन सागर, हैदराबाद हुसैन सागर और कई अन्य स्थान इस राज्य को आकर्षित करने के लिए हैं।

यह राज्य विभिन्न स्थानों पर चढ़ाई, ट्रैकिंग, स्पीड बोटिंग और कई अन्य साहसिक पर्यटन भी प्रदान करता है। यह राज्य भारत के व्यापारिक केंद्रों में से एक है और इस राज्य में विश्व स्तरीय चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के साथ-साथ कई अनुसंधान और शिक्षा केंद्र हैं जो अधिक व्यावसायिक अवसर प्रदान करते हैं और साथ ही स्वास्थ्य और स्वास्थ्य के लिए इस राज्य में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होती है। शिक्षा के उद्देश्य.

पूरे दक्षिण भारत में तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जिसकी 9.34% आबादी आदिवासी है। लगभग चौबीस आदिवासी समुदाय कृष्णा और गोदावरी नदी बेल्ट के साथ अलीबाद, वारंगल, खम्मम, महबूबनगर और नलगोंडा जिले के जंगलों में रह रहे हैं। मूलतः जनजातियाँ स्वभाव से सहजीवी होती हैं। उनकी धार्मिक प्रथाएँ, सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक मूल्य अद्वितीय और विशिष्ट हैं। आश्चर्य की बात यह है कि वे न केवल गैर-आदिवासी से अद्वितीय हैं, बल्कि एक जनजाति से दूसरी जनजाति के बीच भी अपने आप में अद्वितीय हैं। जनजातीय नृत्य, मेले, त्यौहार आदि तेलंगाना में बहुत लोकप्रिय हैं और यात्रा स्टॉक और गैर-आदिवासी से भी लाखों आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। तेलंगाना पर्यटन में इन आदिवासी मेलों और त्योहारों का अपना महत्व है।

संयुक्त राज्य विश्वविद्यालयों को छात्र उपलब्ध कराने में तेलंगाना राज्य नंबर एक स्थान पर है। इस राज्य में दुनिया भर में कई अनुसंधान प्रयोगशालाएं और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय हैं। यह राज्य बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ केंद्रीय स्थान पर है और शीर्ष संयुक्त राज्य प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा हैदराबाद को 'इंडिया होम' के रूप में पहचाना गया था। यह राज्य फार्मास्युटिकल और वैक्सीन के आपूर्तिकर्ता में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

तेलंगाना राज्य में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि:

तेलंगाना राज्य में विदेशी और घरेलू पर्यटकों की आमद बढ़ रही है। इस राज्य में आने वाले विदेशी और घरेलू पर्यटकों की संख्या चक्रवृद्धि औसत वृद्धि दर से बढ़ी है, जो वित्तीय वर्ष 2014 में 8% से अधिक तक पहुंच गई है। इसलिए, विदेशी और सहित तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या का अध्ययन करना आवश्यक है। घरेलू पर्यटक. ग्राफ़ - 1 तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या प्रस्तुत करता है।

तालिका - 1: तेलंगाना राज्य में पर्यटकों के आगमन में वृद्धि

INTERNATIONAL JOURNAL OF APPLIED SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

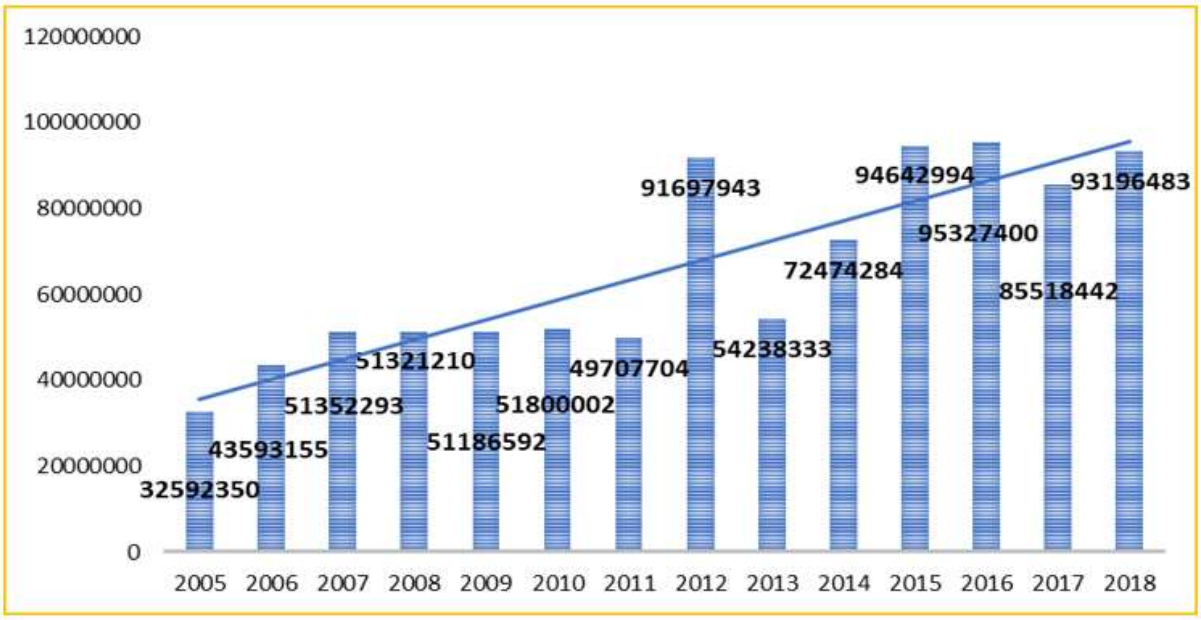

स्रोत: *तेलंगाना राज्य पर्यटन रिपोर्ट – 2018*

उपरोक्त चित्र बताता है कि वित्तीय वर्ष 2005 में राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या 3,25,92,350 थी और वित्तीय वर्ष 2018 में यह 9,31,96,483 तक पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2012 में, राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या 9,16,97,943 लोगों ने राज्य का दौरा किया जो अध्ययन अवधि में सबसे अधिक है क्योंकि आईटी क्षेत्र की वृद्धि बहुत अधिक है और इस वर्ष राज्य में अधिक से अधिक कंपनियों की शाखाएं शुरू हुई हैं। इसलिए, यह देखा गया है कि तेलंगाना राज्य में पर्यटकों की आमद सालाना काफी बढ़ रही है और यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि तेलंगाना राज्य बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

पिछले अठारह वर्षों से तेलंगाना राज्य में विदेशी पर्यटकों की आमद चार गुना से अधिक बढ़ गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, पाकिस्तान, सिंगापुर, कनाडा और अन्य देशों से पर्यटक विभिन्न उद्देश्यों के लिए तेलंगाना राज्य में आ रहे हैं। इसलिए, वित्तीय वर्ष 2005 से 2018 तक तेलंगाना राज्य में विदेशी पर्यटकों के आगमन की वृद्धि का अध्ययन करने की आवश्यकता है। ग्राफ़-2 तेलंगाना राज्य में विदेशी पर्यटकों के आगमन की वृद्धि प्रस्तुत करता है।

ग्राफ़ - 2: तेलंगाना राज्य में विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि

INTERNATIONAL JOURNAL OF APPLIED SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

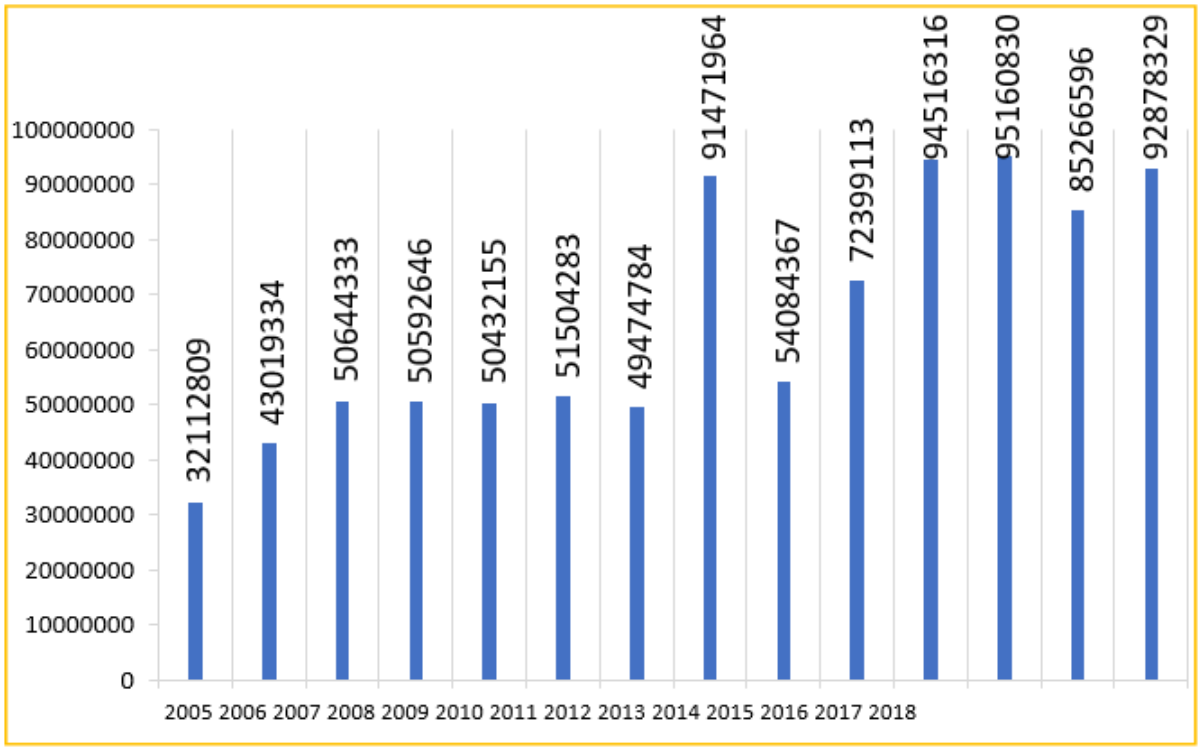

स्रोत: *तेलंगाना राज्य पर्यटन रिपोर्ट – 2018*

उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2005 में तेलंगाना राज्य का दौरा करने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 4,73,541 थी और वित्तीय वर्ष 2009 में यह बढ़कर 7,54,437 हो गई है। इन पांच वर्षों में नियमित रूप से हैदराबाद में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। विभिन्न प्रस्तावों के लिए बहुत ऊँचा। वित्तीय संकट 2010 से 2018 तक, फिर से इस राज्य में विदेशी पर्यटकों के आगमन में वार्षिक वृद्धि देखी गई है। वित्तीय वर्ष 2019 में इसमें वृद्धि हुई है लेकिन वित्तीय वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय लॉकडाउन के कारण विदेशी पर्यटकों का आगमन कम हो गया है।

तेलंगाना राज्य में घरेलू आगमन में वृद्धि:

इस राज्य में घरेलू आवक में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। अधिकांश घरेलू पर्यटक केरल, चेन्नई, बैंगलोर, मुंबई आदि से आते हैं, इसलिए, तेलंगाना राज्य में घरेलू आगमन का विश्लेषण करना आवश्यक है। ग्राफ़ - 3 तेलंगाना राज्य में घरेलू आगमन की वृद्धि को प्रस्तुत करता है।

ग्राफ़ - 3: तेलंगाना राज्य में घरेलू आगमन में वृद्धि

INTERNATIONAL JOURNAL OF APPLIED SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

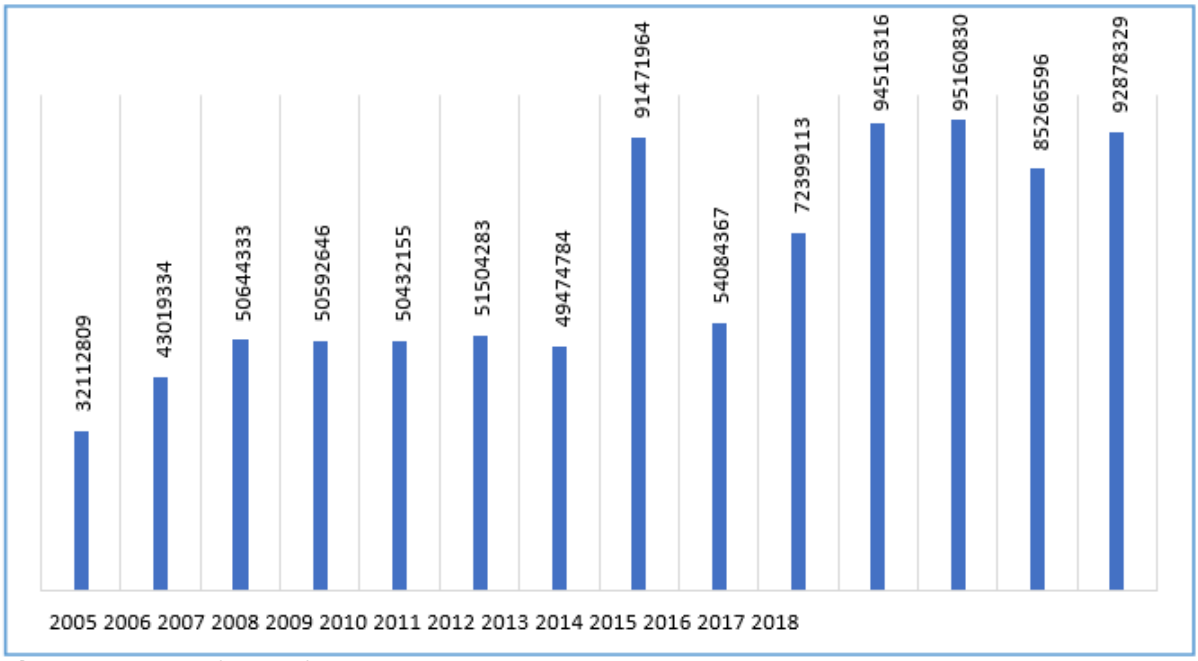

स्रोत: *तेलंगाना राज्य पर्यटन रिपोर्ट – 2018*

ग्राफ़ में उपरोक्त डेटा स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि वित्तीय वर्ष 2005 में तेलंगाना राज्य में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या 3,21,12,809 थी और वित्तीय वर्ष 2018 में यह बढ़कर 9,28,78,329 हो गई है। इससे पता चलता है कि निरंतर तेलंगाना राज्य में घरेलू आवक में वृद्धि। यह हैदराबाद में विभिन्न क्षेत्रों की स्थापना के बढ़ने के कारण है और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पर्यटक स्थलों को भी विकसित किया गया है। यह भी देखा गया है कि तेलंगाना राज्य में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र भी काफी उन्नत है।

टीएसटीडीसी की प्रचार गतिविधियों की भूमिका:

तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम (TSTDC) का गठन कंपनी अधिनियम 2013 के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों को अच्छी तरह से बुनियादी ढांचा, वाहन और अन्य सुविधाएं प्रदान करना है और इस संगठन का मिशन अज्ञात पर्यटक स्थानों को बढ़ावा देना भी है। तेलंगाना राज्य. इस संगठन ने तेलंगाना राज्य में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रचार गतिविधियाँ भी शुरू की हैं। जिसमें शामिल है

- **तेलंगाना संस्कृति सारथी:** यह कार्यक्रम तेलंगाना राज्य की अद्वितीय सांस्कृतिक पहचान के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और गर्व की भावना पैदा करने के लिए राज्य स्तरीय निकायों की स्थापना के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किया गया था। यह योजना भी इस राज्य में आने वाले विभिन्न आगंतुकों को विभिन्न सरकारी नीतियों और योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
- **मेगा सिनेमा सिटी:** तेलंगाना राज्य सरकार ने रंगारेड्डी-नलगोंडा क्षेत्र के राचाकोंडा में दो हजार एकड़ से अधिक में फैली एक मेगा सिनेमा सिटी विकसित करने की योजना बनाई है। यह कदम निश्चित रूप से राज्य में फिल्म पर्यटन उद्योग को ऊपर उठाएगा।
- **तेलंगाना कला भारती और कलोजी कला केंद्र:** तेलंगाना राज्य सरकार ने संस्कृति को बढ़ावा देने और इस राज्य में आने वाले विभिन्न आगंतुकों को विश्व

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए हैदराबाद में 'तेलंगाना कला भारती' और वारंगल में 'कलोजी कला केंद्रम' की स्थापना की है। शासन द्वारा निर्माण हेतु प्रस्तावित।

- **यादगिरिगुट्टा देवस्थानम का नवीनीकरण:** तेलंगाना राज्य सरकार ने रुपये की घोषणा की है। विकास कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये और टीटीडी की तर्ज पर यादगिरिगुट्टा मंदिर के डिजाइन का नवीनीकरण। इस मंदिर के अलावा अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सोलह सौ एकड़ में ध्यान केंद्र, वेद पाठशाला, पार्क, विवाह भवन और कुटिया का निर्माण किया गया।
- **इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण:** तेलंगाना पर्यटन ने राज्य में पर्यटन गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए हवाई अड्डों पर एक विशेष काउंटर खोला और समर्पित किया। तैंतालीस देशों के लिए इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण के साथ आगमन पर पर्यटक वीज़ा सुविधा शुरू की गई।
- **जनजातीय सांस्कृतिक केंद्र:** तेलंगाना सरकार रुपये की अनुमानित लागत से आदिलाबाद जिले के जोडेघाट गांव में कोमाराम भीम स्मारक और जनजातीय संग्रहालय का निर्माण कर रही है। आदिवासी संस्कृति केंद्र को बढ़ावा देने के लिए 25 करोड़।
- **नीति आयोंग:** भारत सरकार ने रुपये का अनुदान स्वीकृत किया। किन्नरसानी, नागार्जुन सागर, रामप्पा, करीमनगर, कोठागुडेन और गजवेल में बुनियादी ढांचे के विकास या नवीनीकरण के लिए 33 करोड़। इस राशि का उपयोग तेलंगाना राज्य के सभी जिलों में विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास के लिए व्यापक जिला योजनाओं में किया जाना चाहिए।
- **मैं तेलंगाना का अन्वेषण करता हूं:** तेलंगाना सरकार ने पहली बार मोबाइल ऐप पेश किया जो पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करता है और विस्तृत विवरण तक पहुंच प्रदान करता है। यह ऐप सार्वजनिक परिवहन, गंतव्य आवास, पुलिस स्टेशन, अस्पताल, हेल्प लाइन नंबर और मुद्रा के रूपांतरण पर सेवाओं को भी एकीकृत और विकसित करता है। यह ऐप नए आने वाले हैदराबाद के लिए अधिक उपयोगी है। यह ऐप पर्यटकों को तीर्थयात्रा, प्राकृतिक, किला, खेल, चालबाजी और अन्य श्रेणियों में घूमने के लिए कई गंतव्य प्रदान करता है।
- **साहसिक क्लब:** तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम ने रॉक क्लाइंबिंग गतिविधियों और ट्रैकिंग में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए साहसिक क्लबों की पहचान की और टीएसटीडीसी अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए जंगल में साहसिक जीप संबंध प्रदान करता है।
- **विभिन्न टूर पैकेज:** टीएसटीडीसी ने स्थानीय और गैर-स्थानीय पर्यटकों के लिए एक दिन से एक सप्ताह के दौरे के लिए विभिन्न टूर पैकेज डिजाइन किए। पर्यटक मर्सिडीज, वॉल्वो और बेंज कोचों में यात्रा कर रहे हैं जिनमें ए/सी या नॉन-ए/सी चल रहे हैं। ये वाहन नियमित रूप से टूर पैकेज चला रहे हैं और पर्यटकों की मांग पर उपलब्ध करा रहे हैं।
- **हरिता होटल:** टीएसटीडीसी ने सभी सुविधाओं के साथ हरिता होटलों का निर्माण और पुन: डिज़ाइन किया है और कुछ होटलों में उनकी बैठकों के लिए मीटिंग हॉल या सेमिनार हॉल हैं। ये होटल तेलंगाना राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में फैले हुए हैं। लगभग सभी हरिथा होटल जिनमें प्रमुख राष्ट्रीय

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

राजमार्गों पर सड़क किनारे सुविधाएं शामिल हैं।

- **टीएस-आईपास:** तेलंगाना राज्य औद्योगिक परियोजना अनुमोदन और स्व-प्रमाणन प्रणाली (टीएस-आईपास) सेवा विभिन्न लाइसेंस जारी करने और रिसॉर्ट्स, होटल, पर्यटन कार्यक्रमों जैसे सेमिनार या सम्मेलन और अन्य गतिविधियों की स्थापना के लिए बहुत तेजी से प्रसंस्करण कर रही है। यह तेलंगाना राज्य में ट्रुइज़म व्यापार उद्यमों पर विश्वसनीय डेटा बनाए रखने में भी सहायता करेगा। यह ऑनलाइन सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से एक पोर्टल है और यह किसी के भी उपयोग के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल भी है।
- **ध्वनि और प्रकाश शो:** टीएसटीडीसी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ध्वनि और प्रकाश शो का आयोजन कर रहा है शिल्परामम, गोलकुंडा किला, त्रामती बारादरी और आदि, और ये सभी शो रिकॉर्ड किए गए हैं अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में कथन। इनमें चित्रों, ग्राफिक्स, रंगों और संगीत के कल्पनाशील उपयोग के साथ-साथ अधिक आकर्षक होते हैं।
- **जल क्रीड़ाएँ और परिभ्रमण:** तेलंगाना राज्य के पास सबसे बड़ा जल बेड़ा है और टीएसटीडीसी राज्य की विभिन्न नदियों और झीलों पर अवकाश-आधारित परिभ्रमण और जल स्थल संचालित करता है। टीएसटीडीसी अमेरिकी पोंटून नौकाओं के अलावा हुसैन सागर और अन्य स्थानों पर पैरासेलिंग गतिविधियों का भी आयोजन कर रहा है जो अवकाश परिभ्रमण के लिए बहुत प्रचलित हैं।

निष्कर्ष:

इस राज्य में विविधता है और यहां कई समृद्ध विरासत वाले स्थान और स्मारक हैं, जिन्हें सबसे प्रसिद्ध स्थानों की तरह देखा जा सकता है, जो हैदराबाद, चारमीनार, गोलकुंडा किला कुतुब शाही मकबरे, फलकनुमा पैलेस, स्लर्गजंग संग्रहालय और हुसैन सागर झील में बुद्ध प्रतिमा में स्थित हैं। हैदराबाद के अलावा भोंगीर किला, पैगाह मकबरे, नागुनूर किला, चौमहल्ला प्लेस, वारंगल किला और काकतीय कला थोरानम जैसे कई घूमने लायक स्थान हैं।

हर साल पर्यटकों के आगमन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। वित्तीय वर्ष 2005 में राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या 3,25,92,350 थी और वित्तीय वर्ष 2018 में यह 9,31,96,483 तक पहुंच गई है। कंपनी अधिनियम 2013 के तहत तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम (TSTDC) का गठन किया गया। इसका उद्देश्य तेलंगाना राज्य में आने वाले पर्यटकों को बेहतर बुनियादी ढांचा, वाहन और अन्य सुविधाएं प्रदान करना है और इस संगठन का मिशन तेलंगाना राज्य में अज्ञात पर्यटक स्थलों को बढ़ावा देना भी है। यह संगठन तेलंगाना राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सन्दर्भ:

- आर्ची रस्तोगी, गॉर्डन एम. हिक्की, अनुपम आनंद, रुचि बडोला और सैयद ऐनुल हुसैन (2015), 'वन्यजीव-पर्यटन, स्थानीय समुदाय और बाघ संरक्षण: एक गांव - कॉर्बेट टाइगर रिजर्व, भारत में स्तरीय अध्ययन', वन नीति और अर्थशास्त्र, एल्सेवियर, 61, जुलाई, 2015, पीपी: 11-19।
- बिर्ते वोगेल और जेसिका फील्ड (2020), '(रे) लद्दाख, भारत में पर्यटन और व्यापार के शासन के माध्यम से सीमाओं का निर्माण', जर्नल ऑफ

ISSN2454-9940
www.ijsem.org
Vol 10, Issuse. 3 Sep 2019

पॉलिटिकल ज्योग्राफी, 82, अक्टूबर 2020। 10226।

- डॉ एलिडा सिरिकोविच (2014), 'मार्केटिंग मिक्स इन टूरिज्म', एकेडमिक जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, एमसीएसईआर पब्लिशिंग, 3 (2), जुलाई, 2014, पीपी-111-115।
- डॉ. मैरिरना हुसैन मुस्तफा (2010), 'टूरिज्म एंड ग्लोबलाइजेशन इन द अरब वर्ड', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड सोशल साइंस, 1(1), अक्टूबर, 2020, पीपी: 37-48।
- एरिक अब्दिल काया (2014), 'तंजानिया पर्यटन उत्पादों के विपणन और प्रचार के लिए टूर ऑपरेटरों द्वारा उपयोग की जाने वाली मार्केटिंग रणनीतियों का आकलन: अरुशा शहर का एक मामला', निबंध तंजानिया विश्वविद्यालय, तंजानिया को प्रस्तुत किया गया।
- फ़ैज़ा मंज़ूर, लोंगबाओ वेई, मुहम्मद आसिफ, मुहम्मस ज़िया उल हक और हाफ़िज़ उर रहमान (2019), 'पाकिस्तान में आर्थिक विकास और रोजगार के लिए सतत पर्यटन का योगदान', पर्यावरण अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 16 (19): 3785.
- जॉर्ज एम. कोर्रेस (2007), 'यूरोप में औद्योगिक और नवाचार नीति: विकास और स्थिरता पर प्रभाव', विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बुलेटिन, एसएजीई जर्नल्स, 27(2), अप्रैल-2007, पीपी:104-117।
- हमीद अल्देबी और नोरेया अल्जबोरी (2018), 'पर्यटन संवर्धन का प्रभाव - विदेशी पर्यटकों पर तत्वों का मिश्रण' जॉर्डन के पर्यटक स्थलों की मानसिक छवि (एक दायर अध्ययन)', इंटरनेशनल जर्नल बिजनेस रिसर्च, 11 (1), फरवरी, 2018, पीपी: 71-86।
- किरण ए शिंदे (2010), 'भारत में धार्मिक पर्यटन में उद्यमिता और स्वदेशी उद्यमी', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टूरिज्म रिसर्च, 12 (5), सितंबर-2010, पीपी:523-535।
- मारिया कैरिनेस और पी. एलेजांद्रिया-गोंज़ालेज़ (2016), 'फ़िपींस में सांस्कृतिक पर्यटन विकास: चुनौतियों और अभिविन्यासों का विश्लेषण', आतिथ्य और पर्यटन में गुणवत्ता आश्वासन जर्नल, डीओआई: 10.1080/1528008X.2015.1127194, मार्च - 2016।
- शिह डब्ल्यू.आर. और डू, एन.टी.एच. (2016), 'वियतनाम के दीर्घकालिक आर्थिक विकास पर पर्यटन का प्रभाव', आधुनिक अर्थव्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशन, 7, मार्च-2003, पीपी: 371-376।
- वैलोरी ए क्रुक्स, लेई टर्नर, जेरेमी स्नाइडर, रोरी जॉनस्टन और पॉल किंग्सबरी (2011), 'भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना: संदेश, छवियां और अंतर्राष्ट्रीय रोगी यात्रा का विपणन', जर्नल सोशल साइंस एंड मेडिसिन, 72 (5), मार्च, 2011, पीपी: 726-732।
- पर्यटन अर्थशास्त्र, सेज जर्नल्स, 14(4), दिसंबर, 2008, पीपी: 807-818।